(1) 'शोणितसंघात भिनत्ति' किस रस के लिए कहा गया है ? (च. सू. 26/43)
- (अ) अम्ल
- (ब) कटु
- (स) तिक्त
- (द) कषाय

(2) "Para methoxy salicylic acid" is finds in which plant ? -
- (अ) सारिवा
- (ब) मंजिष्ठा
- (स) पृश्निपर्णी
- (द) एरण्ड

(3) आचार्य चरक ने 'दर्भ' को किस स्कन्ध में रखा है ? (च. वि. 8/139)
- (अ) मधुर
- (ब) कटु
- (स) तिक्त
- (द) कषाय

(4) Family of '*Sida cordifolia*' is -
- (अ) Rutaceae
- (ब) Solanaceae
- (स) Asteraceae
- (द) Malvaceae

(5) चरकोक्त ज्वरहर महाकषाय में सम्मिलित नहीं है ? (च. सू. 4/39)
- (अ) सारिवा
- (ब) निम्ब
- (स) मंजिष्ठा
- (द) पाठा

(6) वत्सनाभ का प्रतिविष होता है ?
- (अ) टंकण
- (ब) कुपीलु
- (स) तण्डुलीय स्वरस
- (द) हरीतिकी

(7) "ऋतु हरीतिकी" का वर्णन किस ग्रन्थ में आया है ?
- (अ) माधव
- (ब) काश्यप
- (स) भावप्रकाश
- (द) हारीत

(8) आयुर्वेद प्रकाश के अनुसार विष का शोधन किसमें होता है ? (आ. प्र. 5/49–50)
- (अ) रक्तसर्षप तैल
- (ब) गोमूत्र
- (स) मरिच
- (द) टंकण

1. B	2. A	3. A	4. D	5. B	6. A	7. C	8. B

(9) र. त. के अनुसार अहिफेन की औषधार्थ मात्रा कितनी होती है ? (र. त. 24/262)

(अ) 1 – ½ रत्ती

(ब) 1 – ¼ रत्ती

(स) ½ – ¼ रत्ती

(द) 1 – ⅛ रत्ती

(10) र. त. के अनुसार भल्लातक की औषधार्थ मात्रा कितनी होती है ? (र. त. 24/482)

(अ) 1 – ½ रत्ती

(ब) 1 – ¼ रत्ती

(स) 1 – 3 तोला

(द) 1 – 3 रत्ती

(11) शारंग्धर के अनुसार अनुक्त पात्र की स्थिति में कौनसा पात्र ग्रहण करना चाहिए ?

(अ) लौह पात्र

(ब) मृत्तिका पात्र

(स) कांस्य पात्र

(द) ताम्र पात्र

(12) शारंग्धर के अनुसार 'अमृताष्टक क्वाथ' का रोगाधिकार हैं ?

(अ) वातज ज्वर

(ब) पैत्तिक ज्वर

(स) वातपित्तज ज्वर

(द) कफपित्तज ज्वर

(13) कृत्रिम हिंगुल से पारद निष्कर्षण हेतु किस यन्त्र का प्रयोग करते है ?

(अ) विद्याधर यन्त्र

(ब) इष्टिका यन्त्र

(स) मृदंग यंत्र

(द) नाद यंत्र

(14) 'खरन्तु विषवत त्यजेत्' किसके लिए कहा गया है ? (र. त. 6/168)

(अ) रससिन्दूर

(ब) रसपुष्प

(स) रसकर्पूर

(द) रस पर्पटी

(15) रजत धातु की भस्म का वर्ण होता है ?

(अ) चम्पक वर्ण

(ब) कपोत वर्ण

(स) श्वेत वर्ण

(द) कृष्ण वर्ण

(16) "लोहादेरपुनर्भावो गुणाधिक्य ततोऽग्रता" – किसके लिए कहा गया है ? (र. र. समु. 4048–50)

(अ) जारण

(ब) शोधन

(स) मूर्च्छन

(द) पुट

9. B	10. D	11. B	12. D	13. C	14. D	15. D	16. D

(17) ''तंत्रभूषण अध्याय'' किस संहिता में वर्णित है ?
(अ) चरक संहिता
(ब) सुश्रुत संहिता
(स) हारीत संहिता
(द) काश्यप संहिता
(18) प्रत्यक्ष प्रमाण में बाधक कारणों की संख्या है ?
(अ) 4
(ब) 8
(स) 6
(द) 10
(19) चरकानुसार 'तक्रसिद्धा यवागू:' होती हैं ?
(अ) घृतव्यापद नाशक
(ब) तैलव्यापद नाशक
(स) मद्यव्यापद नाशक
(द) क्षुधा नाशक
(20) 'अरजस्का योनिव्यापद' का वर्णन किस आचार्य ने किया है ?
(अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) काश्यप
(द) शारर्ङ्धर
(21) 'हृद्रोग' किसके वेगनिग्रह का लक्षण है ? (च. सू. 7)
(अ) वाष्प
(ब) निद्रा
(स) श्रमनि:श्वास
(द) अ, स दोनो
(22) सामान्यं .... रोगेषु घृतपानं रसायनम्। (सु. उ. 21/3)
(अ) नासा
(ब) मुख
(स) कर्ण
(द) शिर
(23) चरकानुसार कण्डू, कोठ, व पिडका उत्पन्न करने वाले कृमि है ? (च. वि. 7/10)
(अ) बाह्य कृमि
(ब) रक्तज कृमि
(स) श्लेष्मज कृमि
(द) पुरीषज कृमि
(24) 'कर्णपाक' की चिकित्सा किस रोग की चिकित्सा के समान है ? (सु. उ. 21/58)
(अ) पित्तज विद्रधि
(ब) पित्तज विसर्प
(स) पित्तज शोफ
(द) पित्तज ग्रंथि

17. B 18. B 19. A 20. A 21. D 22. C 23. A 24. B

(25) 'पक्वामाशययोस्तोदोहिक्का कासोऽन्त्रकूजनम्' कौनसे स्थाविर विष वेग का लक्षण है ? (सु. क. 2/37)

(अ) 2
(ब) 3
(स) 4
(द) 5

(26) सुश्रुतानुसार 'व्रण के अधिष्ठान' होते हैं ? (सु. चि. 1/134)

(अ) 7
(ब) 8
(स) 9
(द) 10

(27) काश्यप के अनुसार 'धूप' के कितने भेद होते हैं ?

(अ) 2
(ब) 3
(स) 4
(द) 5

(28) चरकानुसार उदावर्त के भेद होते है ? (च. सू. 19/3)

(अ) 5
(ब) 8
(स) 13
(द) 6

(29) सुश्रुतानुसार शिरोरोगों की संख्या होती है ?

(अ) 11
(ब) 10
(स) 5
(द) 19

(30) चरकानुसार गर्भिणी को किस मास में एक अक्ष मात्रा में "क्षीरनवनीतं" का सेवन कराना चाहिए ? (च. शा. 8/32)

(अ) तृतीय
(ब) चतुर्थ
(स) पंचम्
(द) षष्टम

(31) चरकानुसार पुराणघृत का रस कौनसा होता है ? (च. चि. 9/59)

(अ) कटु
(ब) तिक्त
(स) कटु, तिक्त
(द) कषाय

(32) चरकानुसार 'लशुन क्षीरम्' का रोगाधिकार है ? (च. चि. 5/95)

(अ) उन्माद
(ब) अपस्मार
(स) वातव्याधि
(द) वाजत गुल्म

25. C 26. B 27. B 28. D 29. A 30. B 31. C 32. D

(33) "..............................रूक्षैर्वा मृदुभिः शस्तमसकृद्वस्तिकर्म च। – किस व्याधि का चिकित्सा सूत्र है ? (च. चि. 29/41)
(अ) वातरक्त
(ब) विसर्प
(स) वातव्याधि
(द) गुल्म

(34) सुश्रुत ने निम्नलिखित में से किसमे शीतल जल का निषेध बतलाया है ? (सु. सू. 45/28–30)
(अ) भ्रम
(ब) गलग्रह
(स) तमकश्वास
(द) मदात्यय

(35) एककाल भोजन ....। (च. सू. 25/40)
(अ) सुखपरिणाम कराणां
(ब) कर्शनीयानाम्
(स) दौबर्ल्यकरणां
(द) अग्निसन्धुक्षणानां

(36) पथ्य और अपथ्य का एक साथ सेवन करना कहलाता है ? (च. चि. 15/235)
(अ) अध्यशन
(ब) विषमासन
(स) समशन
(द) विरूद्धाहार

(37) आदौ विम्लापनं कुर्याद द्वितीयं.....................। (सु. सू. 17/22)
(अ) उपनाह
(ब) अवसेचनम्
(स) पाटन
(द) शोधन

(38) 'सम्यक दग्ध' में किसका अभ्यंग करते है ? (सु. सू. 12/13)
(अ) मधु
(ब) सर्पि
(स) मधुसर्पि
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(39) गृधसी व पक्षाघात में विरेचनार्थ किस तैल का प्रयोग किया जाता है ?
(अ) एरण्ड तैल
(ब) तिल तैल
(स) कुसुम्भ तैल
(द) कटु तैल

(40) ह्यवितर्कस्मृतिविभाग विदो। – किसका गुण है ? (च. वि. 4/3)
(अ) गुरू
(ब) शिष्य
(स) आप्त जन
(द) वैद्य

33. A 34. B 35. A 36. C 37. B 38. C 39. A 40. C

(41) चरकानुसार नवजात शिशु में गर्भोदक वमन/प्रच्छर्दनम् किससे कराते हैं ? (च. शा. 8/43)
(अ) मधुसर्पि से
(ब) सैंधवसर्पि से
(स) सैंधवसर्पि व वचा चूर्ण से
(द) वचाचूर्ण से
(42) चरक ने गरविष चिकित्सा में 1 शाण हेमचूर्ण सेवन से पूर्व वमनार्थ किसका प्रयोग किया है ? (च. चि. 23/239)
(अ) धार्मागव
(ब) मदनफल
(स) सूक्ष्म ताम्ररज चूर्ण
(द) इक्ष्वाकु
(43) काश्यपानुसार 6 माह तक स्वर्ण प्राशन कराने से बालक पर क्या प्रभाव होता है ?
(अ) मेधावी
(ब) श्रुतधर
(स) यशस्वी
(द) स्मृतिवान्
(44) भुक्तवा राजावदासीत यावदन्नक्लमो गतः। ततः पादशतं गत्वा वामपार्श्वेन संविशेत्। – किस आचार्य का कथन है ?
(अ) सुश्रुत
(ब) चरक
(स) वाग्भट्ट
(द) काश्यप
(45) पारद के सेवन में पथ्य है ?
(अ) तण्डुलीयक, पटोल
(ब) बृहती, बिल्व
(स) ककराष्टक
(द) उर्पयुक्त सभी
(46) शिशूवृद्धयूनां निरत्ययः – किसके लिए कहा गया है ? (च. सि. 1/27)
(अ) निरूह वस्ति
(ब) अनुवासन वस्ति
(स) स्नेहन
(द) विरेचन
(47) 'उत्क्षेप व स्थपनी' कौनसी मर्म है ?
(अ) कालान्तर प्राणहर मर्म
(ब) सद्यप्राणहर मर्म
(स) विशल्यघ्न मर्म
(द) वैकल्यकर मर्म
(48) विषमिश्रित अन्न के सेवन पश्चात् काक का स्वर हो जाता हैं ? (च. चि. 23/110)
(अ) विकृत
(ब) कूजन
(स) क्षाम
(द) हीन

41. B 42. C 43. B 44. A 45. A 46. A 47. C 48. C

(49) विरूद्धाहार सेवन से कौन सा स्रोत्रस् दुष्ट होता है ? (च. वि. 5/18)
(अ) अन्नवह
(ब) रसवह
(स) मज्जावह
(द) रक्तवह
(50) सुश्रुतानुसार दिन के पूर्वाह्न में कौनसी ऋतु के लक्षण देखने को मिलते है ? (सु. सू. 6/16)
(अ) शरद ऋतु
(ब) हेमन्त ऋतु
(स) बंसन्त ऋतु
(द) शिशिर ऋतु
(51) जिसमें साध्य का संदेह हो उसे कहते है ?
(अ) पक्ष
(ब) सपक्ष
(स) विपक्ष
(द) परपक्ष
(52) चरक संहिता पर 'जल्पकल्पतरू' टीका के टीकाकार कौन है ?
(अ) भट्टार हरिश्चन्द्र
(ब) गंगाधर राय
(स) योगेन्द्रनाथ सेन
(द) जेज्जट
(53) 'गूढार्थ दीपिका' नामक टीका किस ग्रन्थ पर लिखी गयी है ?
(अ) चरकसंहिता
(ब) सुश्रुतसंहिता
(स) अष्टांग हृदय
(द) शारर्ग्धर संहिता
(54) "विलम्बिका रोग" का सर्वप्रथम उल्लेख किसमें आया हैं ? (सु. उ. 56/3)
(अ) चरकसंहिता
(ब) सुश्रुतसंहिता
(स) अष्टांगसंग्रह
(द) माधव निदान
(55) मधु............................। (च. सू. 27/4)
(अ) सन्दधीति
(ब) पाचयति
(स) ग्लयपति
(द) स्नेहयति
(56) स खल्वाप्यो रसो .... प्राप्य रागमुपैति। (सु. सू. 14/4)
(अ) यकृत
(ब) प्लीहा
(स) हृदय
(द) यकृतप्लीहानौ

49. C 50. C 51. A 52. B 53. D 54. B 55. A 56. D

(57) स वातगुल्महृद्रोगप्लीहाशंकी च मानवः। – कौनसी ग्रहणी का लक्षण है ? (च. चि. 15/63)
(अ) वातज
(ब) पित्तज
(स) कफज
(द) त्रिदोषज

(58) अक्रियायां ध्रुवो मृत्युः क्रियायां संशयो भवेत्। – सुश्रुत ने किसके लिए कहा है ? (सु. चि. 7/29)
(अ) अश्मरी
(ब) दूष्योदर
(स) जलोदर
(द) मूढगर्भ

(59) सितोफलादि चूर्ण का अनुपान है ? (च. चि. 8/103)
(अ) मधु
(ब) सर्पि
(स) मधुसर्पि
(द) उष्ण जल

(60) सुश्रुतानुसार सवससे उग्रतम ग्रह कौनसा है ? (सु. उ. 37/22)
(अ) स्कन्द ग्रह
(ब) स्कन्दापस्मार
(स) नैगमेष
(द) रेवती

(61) ग्राम्य धर्मे रूजा भृशम्। – किस योनि व्यापद का लक्षण है ? (सु. उ. 38/10)
(अ) परिप्लुता
(ब) उपप्लुता
(स) कर्णिनी
(द) अर्न्तमुखी

(62) क्रिमिकोष्ठोऽतिसार्येत मलं सासृक् कफान्वितम्। – किसका लक्षण है ? (च. चि. 16/30)
(अ) कृमि रोग
(ब) अतिसार
(स) मद्रिकाभक्षणजन्य पाण्डु
(द) दूष्योदर

(63) चरक ने 'सगुडामभयां वाऽपि प्राशयेत्पौर्वभक्तिकीम्' किसकी चिकित्सा में निर्देशित किया है ? (च. चि. 14/65)
(अ) अर्श
(ब) अतिसार
(स) ग्रहणी
(द) उपर्युक्त सभी

(64) तत्रामे लंघनं कार्य विदग्धे .... हितम्। (सु. सू. 46/512)
(अ) वमनं
(ब) उदर स्वेदनं
(स) विरेचनं
(द) स्वपिता दिवा

57. A 58. A 59. C 60. A 61. A 62. C 63. A 64. A

(65) .... उद्धार्याणां। (च. सू. 25/40)

(अ) ग्रहणी
(ब) आमदोष
(स) अजीर्ण
(द) आमविष

(66) 'रसासृङ्मांसमेदोजान्दोषान् हन्ति; – किसके लिए कहा गया है ? (च. सू. 27/148)

(अ) शिलाजतु
(ब) हरीतकी
(स) विभीतक
(द) आमलकी

(67) सर्वशरीर व्यापी कला है ?

(अ) मांसधरा
(ब) श्लेष्मधरा
(स) मेदोधरा
(द) शुक्रधरा

(68) सम मात्रा में 'सितोपला व यवक्षार'' का प्रयोग किसके लिए कहा है ? (च. चि. 26/67)

(अ) अश्मरी
(ब) मूत्रकृच्छ्र
(स) मूत्राघात
(द) अर्श

(69) हृदुत्क्लेशकफप्रसकौ द्वेषोऽशने च किसका पूर्वरूप है ? (च. चि. 20/6)

(अ) ग्रहणी
(ब) अजीर्ण
(स) उदावर्त
(द) छर्दि

(70) ज्वर चिकित्सा के संदर्भ में चरक ने नस्य का उल्लेख किस नाम से किया है ? (च. चि. 3/173)

(अ) नावन
(ब) शिरोविरेचन
(स) अवपीड
(द) मूर्धविरेचनम्

(71) अनुमान ज्ञेय भाव 'दोष प्रमाण' का अनुमान किससे होता है ? (च. वि. 4/8)

(अ) गूढव्याधि
(ब) अपचार
(स) उपचार
(द) अनुपशय

(72) कितने माह तक गर्भस्राव की अवस्था होती है ?

(अ) 3 माह
(ब) 4 माह
(स) 5 माह
(द) 6 माह

65. C 66. C 67. D 68. B 69. D 70. D 71. B 72. B

(73) किस देश के निवासी दूध के साथ नमक खाते है ? (च. वि. 1/18)

(अ) सौराष्ट्र
(ब) सिन्धु
(स) सौवीरक
(द) उपर्युक्त सभी

(74) रक्त धातु का अंजली प्रमाण होता है ?

(अ) 9 अंजली
(ब) 8 अंजली
(स) 4 अंजली
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(75) समीक्ष्य कारयेद्वाहौ वामे वा व्यधयेत्सिराम्। – किसके लिए कहा गया है ? (च. चि. 13/77)

(अ) प्लीहोदर
(ब) विषमज्वर
(स) दूष्योदर
(द) यकृद्दाल्युदर

(76) धात्री ....दुग्धा तु फक्कदुग्धेति संज्ञिता।

(अ) वातिक
(ब) पैत्तिक
(स) श्लेष्मिक
(द) त्रिदोषज

(77) Which one is an Irritant, inorganic & non metallic poison -

(A) P
(B) As
(C) Na
(D) Hg

(78) Alzeimers disease is finds in which age group -

(A) Child
(B) Young
(C) Puberity
(D) Old

(79) Iron absorption taken place in -

(A) Stomuch
(B) Duodenum
(C) Jejunum
(D) Ileum

(80) Which bacteria is commonly responsible for tonsilitis in children -

(A) Straptococcus
(B) Staphylococcus
(C) Pneumococcus
(D) Gonococcus

73. D	74. B	75. A	76. C	77. A	78. D	79. B	80. A